सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769 www.swarajindianews.com swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्य: ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, मंगलवार, 01 जुलाई, 2025
वर्ष: 02, अंक: 178, पृष्ठ: 8+4

मोदी करेंगे पांच देशों का दौरा

» Pg 12

इनसाइड केडीए में अंधेरा नहीं, भ्रष्टाचार की कालिख... » Pg 03

प्रयागराज बवाल में पुलिस का एक्शन

700 पर एफआईआर, 50 गिरफ्तार

40 बाइकें बरामद, एनएसए में दर्ज होगा मुकदमा, देर रात तक पुलिस की दबिश चलती रही

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज के करछना के भड़ेवरा बाजार में शनिवार को हुए बवाल के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 से अधिक उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 60 को नामजद और 700 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इंस्पेक्टर करछना अनूप सरोज और चौकी प्रभारी मुंडा कैलाश की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर यह एफआईआर दर्ज की गई है। देर रात तक पुलिस की उपद्रवियों की तलाश में दबिश चलती रही।

सीसीटीवी व वीडियो फुटेज से हुई पहचान: घटना के बाद पुलिस ने मौके से 10 आरोपियों को दबोच लिया था, जबकि 20 अन्य को बाद में गिरफ्तार किया गया। उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान वीडियो, फोटोग्राफ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की गई। पुलिस ने घटनास्थल से 40 से अधिक बाइकें बरामद की हैं, जिन्हें थाने लाया गया है। इन बाइकों के स्वामियों की पहचान कर यह जांच की जा रही है कि वे उपद्रव में शामिल थे या नहीं। देर रात तक पुलिस ने 50 से अधिक संदिग्धों को दबोचा है। इन्हें करछना, मेजा, मांडा, घूरपुर, नैनी समेत अन्य थानों में रखा गया है और पूछताछ जारी है. पुलिस का दावा है कि जल्द ही और गिरफ्तारियां होंगी।

अराजकता से दो गुटों में बंटा इलाका: बवाल बढ़ने के बाद जब पुलिस बैकफुट पर आई तो स्थानीय ग्रामीणों ने भीम आर्मी के उपद्रवियों के खिलाफ पुलिस के समर्थन में मोर्चा संभाल लिया। उपद्रवियों के खिलाफमोर्चा लेते हुए उन्होंने पुलिस की मदद की, जिससे हालात पर काफी हद तक काबू पाया गया।

राजनीतिक रंग ले रहा मामला: घटना के बाद राजनीतिक दलों ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए मामले को तूल देना शुरू कर दिया है। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर ने करछना और कौशांबी की दो पुरानी घटनाओं को फिर से जीवित करने का प्रयास किया है।

क्या था पूरा मामला: 13 अप्रैल को करछना के इसौटा गांव में अनुसूचित जाति के युवक देवीशंकर की हत्या कर शव को जला दिया गया था। इस मामले में सात ठाकुर बिरादरी सहित आठ आरोपित जेल भेजे गए थे। वहीं कौशांबी में 27 मई को लोहंगदा गांव में आठ वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया था, जो जांच में फर्जी निकला था। बच्ची के इकबालिया बयान के बाद यह मामला पलट गया था। बच्ची ने पुलिस को दिए गए बयान में कहा था कि उसने मां के उकसावे के बाद दुष्कर्म का आरोप युवक पर लगाया था। बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर यह साबित हो गया था कि सिद्धार्थ के ऊपर लगाए गए आरोप फर्जी थे। हालांकि इस मामले के आरोप युवक सिद्धार्थ तिवारी को पुलिस ने जब 28 जुलाई को पास्को एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया तो उसके पिता यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाए।

बेटे की बेगुनाही साबित नहीं कर पाने के गम में उन्होंने 4 जून को ही सैनी कोतवाली के बाहर जान दे दी थी। इसौटा गांव में देवीशंकर की हत्या के मामले में पुलिस ने अबतक संजय सिंह उर्फ सोनू, मोहित सिंह, मनोज सिंह, अवधेश सिंह उर्फ डीएम, दिलीप सिंह उर्फ छुट्टन, विमलेश गुप्ता उर्फबाबा डान, शेखर सिंह, अजय सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कुछ दिन अंडरग्राउंड

फिर धंधे में लगे फाइनेंसर

मुरादाबाद। दुबई से सोने के कैप्सूल तस्करी के मामले में शामिल फाइनेंसर फिर से धंधे में सक्रिय हो गए हैं। इसके साथ ही इस मामले में पुलिस की जांच धीमी पड़ गई है। चर्चा है कि यह फाइनेंसर नए तस्करों को तैयार कर रहे हैं।

दुबई से तस्करों के जरिये सोने के कैप्सूल मंगवाने वाले फाइनेंसर अंडरग्राउंड हुए तो पुलिस ने ताबड़तोड़ दबिशें दीं। अब फाइनेंसर टांडा में खुलेआम घूम रहे हैं और अपनी दुकानों और फैक्टरी में भी बैठ रहे हैं लेकिन पुलिस ने दबिश देना ही बंद कर दिया है। चर्चा है कि फाइनेंसर नए तस्कर तैयार करने में जुट गए हैं। 23 मई की दोपहर करीब दो बजे रामपुर के टांडा निवासी मो. नावेद और जाहिद और शाने आलम, मुत्तलीब, अजहरुद्दीन जुल्फेकार अली को मुरादाबाद-दिल्ली हाईवे पर पुराने टोल के पास कार सवारों ने अगवा कर लिया था। पुलिस ने मूंढापांडे क्षेत्र में सभी को बदमाशों से छुड़ा लिया था। पूछताछ में पता चला कि दुबई से लौट रहे सभी लोगों की पेट में सोने के कैप्सूल हैं। सोने के 29 कैप्सूल निकलवाए थे।

एसपी ने दिया आदेश

एसपी के आदेश पर दर्ज हुई एफआईआर

छह व्हाट्सएप न्यूज ग्रुपों पर मुकदमा

N.C.R.B (एन.सी.आर.बी)
I.I.F.-I (एकीकृत जाँच फार्म -I)

S.No. (क्र.सं.)	Name (नाम)	Alias (उपनाम)	Relative's Name (रिश्तेदार का नाम)	Present Address (वर्तमान पता)
1	[illegible] 8896314888			1. [illegible]
2	[illegible] अज्ञात			1. [illegible]
3	[illegible] 9532078600			1. [illegible]
4	[illegible] 6386042362			1. [illegible]
5	[illegible] अज्ञात			1. [illegible]
6	[illegible]			1. [illegible]

8.Reasons for delay in reporting by the complainant/informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):

9.Particulars of properties of interest (संबन्धित सम्पत्ति का विवरण):

S.No. (क्र.सं.)	Property Category	Property Type	Description	Value (In Rs/-)

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव: यूपी के जनपद उन्नाव में कई व्हाट्सएप ग्रुपों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि यह एफआईआर एसपी दीपक भूकर के आदेश पर दर्ज की गई है। आरोप है कि इन ग्रुपों पर एक दूसरे को अमर्यादित टिप्पणियां व धमकियां दी जा रही थीं।

एफआईआर में कुल 6 व्हाट्सएप ग्रुपों का नाम दर्ज है। दीपक भूकर के आदेश पर दरोगा दीपक सिंह पटेल ने विधान केसरी, सच खबर, ब्रेकिंग न्यूज़ उत्तर प्रदेश, देश की खबर व ब्रेकिंग न्यूज व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन के संचालकों व सदस्यों पर आई टी एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है।

एफआईआर दर्ज होने के बाद उन्नाव पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग न करने की भी सख्त एडवाइजरी जारी की है।

परिषदीय स्कूलों की रौनक लौटी

कम संख्या में स्कूलों में पहुंचे बच्चे

» स्थानांतरण सूची जारी होते ही सक्रिय हुए शिक्षक

» कई स्कूलों को मिले नए टीचर तो स्कूलों में घटी संख्या

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। गर्मी की छुट्टियां खत्म होने के बाद स्कूल खुलते ही आज पहले दिन स्कूलों में बच्चों की चहलकदमी दिखाई दी। अधिकांश स्कूलों में बच्चे कम संख्या में आए थे लेकिन कई दिनों से स्कूलों की बंद पड़ी गतिविधियां प्रारंभ हो गईं। उधर बीती रात प्रदेश स्तर पर स्थानांतरण सूची जारी होने के बाद स्कूलों और बीआरसी कार्यालय में कार्यभार ग्रहण और कार्यमुक्त होने वाले शिक्षकों का जमावड़ा लग गया। गौरतलब है कि कई दिनों से बेसिक शिक्षा विभाग में सरप्लस टीचरों वाले स्कूलों से शिक्षकों के

स्थानांतरण की कार्रवाई चल रही थी। लोगों को कतई अंदाजा नहीं था कि इतनी जल्दी स्थानांतरण सूची जारी हो सकती है। लेकिन देर रात सूची जारी होते ही शिक्षकों के चेहरे चमक गए।

सुबह होते-होते कई स्कूलों में नए शिक्षक कार्यमुक्त होकर कार्यभार ग्रहण करने पहुंच गए। बताते हैं कि कई दिनों से चल रही कार्रवाई में लोगों को अंदाजा नहीं था कि इतनी जल्दी इस तरह की स्थानांतरण सूची जारी हो सकती है लेकिन जिस तरह से शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने आनन फानन करीब 20 हजार शिक्षकों की स्थानांतरण सूची जारी की है उससे शिक्षा विभाग के अधिकारियों में विश्वास जाग गया है। लंबे समय से अधिकारी केवल कागजी कोरम पूरा कर रहे थे लेकिन जिस तरह से जिले के अंदर स्थानांतरण सूची जारी करने में विभाग में सक्रियता दिखाई है उससे काफी शिक्षकों को राहत मिली है।

गोहलियापुर में शुरू हो गई पढ़ाई

बिल्हौर। कंपोजिट स्कूल गोहलियापुर में पहले ही दिन से पढ़ाई लिखाई शुरू हो गई। यह स्कूल अच्छे स्कूलों में गिना जाता है। पिछले वर्ष यहां की टीचर आशा कटियार को राज्य शिक्षक पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

गोगलियापुर को भावना त्रिवेदी के रूप में एक और विज्ञान शिक्षिका स्थानांतरण से मिली है। जिससे स्कूल का स्टाफ खासा उत्साहित है।

....तो अबकी बार फिर कीचड़ से होकर स्कूल पहुंचेंगे बरौली के बच्चे

» बरौली उच्च प्राथमिक को देखकर नहीं लगा सकते अंदाजा कि खेत है या स्कूल

साल भर बाद भी स्थिति जस की तस, क्या भूल गए अफसर

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। उच्च प्राथमिक विद्यालय बरौली स्कूल के बच्चे अबकी बार भी बारिश के पानी और कीचड़ के बीच अपने स्कूल पहुंचेंगे। वहीं बारिश के मौसम में उनका साबका जहरीले सांपों और अन्य खतरनाक जंतुओं से होगा। गौरतलब है कि पिछले वर्ष स्वराज इंडिया ने उच्च प्राथमिक विद्यालय को जाने वाली सड़क के खस्ताहाल होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। जिस पर तत्कालीन एसडीएम रश्मि लंबा मौके पर पहुंची थी और उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठ कर स्कूल के लिए पक्की सड़क बनाने की रणनीति बनाई थी। एसडीएम ने दो बार गांव

बरौली जूनियर स्कूल है या कोई खेत खलिहान। जरा देखिए तो सही।

यही पगडंडीनुमा रास्ता जाता है बरौली स्कूल को।

पहुंचकर अपनी रणनीति पर काम किया था लेकिन बात नहीं बन सकी।

अब आलम यह है कि आज 1 जुलाई को स्कूल खुल गए हैं और स्कूल में बच्चों का आना जाना शुरू हो गया है। ऐसे में स्कूल गेट के सामने खेत जोत दिया गया है जो जरा सी बारिश हो जाने पर दलदल में बदल जाएगा। जिससे होकर बच्चों का गुजरना तक मुश्किल हो जाएगा। लेकिन अबकी बार भी बच्चे इस कीचड़ में मंझाकर अपने स्कूल तक पहुंच पाएंगे। साल भर बाद भी इस स्कूल की सड़क के लिए आज तक किसी ने कोई फिक्र नहीं की। इसका नतीजा सबके सामने है। स्कूल को देखकर कतई नहीं लगता है कि यह परिषदीय विद्यालय है या कोई खेत है। कमरों में पहुंचने पर इसके स्कूल होने का अहसास होता है।

केडीए में अंधेरा नहीं, भ्रष्टाचार की कालिख!

पौन घंटे तक लाइट गुल, मोबाइल की रोशनी में चला काम, बड़े-बड़े जेनरेटर निकले बेकार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर। आईएसओ-9001 सर्टिफाइड इमारत में अंधेरा! कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) की लापरवाही का आलम सोमवार को उस वक्त सामने आया, जब हल्की बारिश के बाद प्राधिकरण का पूरा दफ्तर पौन घंटे तक अंधेरे में डूबा रहा। हैरानी की बात यह रही कि वैकल्पिक बिजली व्यवस्था के नाम पर लगे भारी-भरकम जनरेटर धरे के धरे रह गए। कर्मियों ने मोबाइल की रोशनी में काम निपटाया और अधिकारी कुर्सी छोड़ भाग निकले।

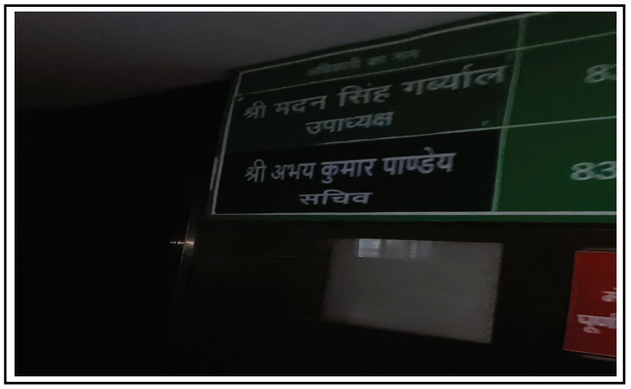

शाम 4:50 बजे बिजली गई और करीब 5 :30 बजे वापस आई। इस दौरान सचिव अभय पांडेय तक लाइट जाते ही कार्यालय छोड़ बाहर निकल गए। अन्य कर्मी भी निकलने की फिराक में थे लेकिन बारिश ने उन्हें रोके रखा।

जनरेटरों में हर महीने खर्च हजारों, फिर भी 'जीरो आउटपुट'

केडीए में दो बड़े जनसेट लगे हैं। इनकी डीजल भराई और मेंटीनेंस के नाम पर हर महीने हजारों रुपये फूंके जा रहे हैं, लेकिन जब जरूरत पड़ी तो जनरेटर जवाब दे गए। सवाल उठता है कि आखिर इतनी बड़ी धनराशि का उपयोग किसके हित में हो रहा है? केडीए में रोशनी नहीं, सिस्टम में अंधेरा छाया है... और इसे दूर करने के लिए सिर्फ मोबाइल की लाइट नहीं, जांच और जवाबदेही की तेज रोशनी चाहिए!

मेंटीनेंस के नाम पर चल रही फर्जीवाड़े की फैक्ट्री

प्राधिकरण सूत्रों की मानें तो केयर टेकर विभाग में हर महीने मेंटीनेंस और सप्लाई की झूठी फाइलें बनाकर लाखों रुपये का भुगतान किया जा रहा है। बिना किसी टेंडर या कुटेशन के ठेकेदारों को काम थमाया जा रहा है। हाल ही में पोर्टिको और फॉल सीलिंग का काम भी बिना प्रक्रिया के कराया गया, बाद में कागज पर टेंडर की खानापूरी की गई। थर्ड फ्लोर पर एक साइड का शौचालय पूरी तरह बंद है।

दूसरे ओर वेटिंग रूम से लगे शौचालय में महीनों से स्टॉपर खराब पड़ा है। कोनों में गंदगी और बदबू से हाल बेहाल है। सवाल है कि लाखों रुपये की मेंटीनेंस फाइलों में इन शौचालयों की सफाई और मरम्मत क्यों नहीं दिखाई देती?

कारों के टेंडर पर भी खेल!

केडीए की आधिकारिक गाड़ियों के टेंडर की प्रक्रिया शुरू तो हुई, लेकिन अब तक टेंडर खोला नहीं गया। पुराने ठेकेदारों से मिलीभगत कर मनमाफिक सप्लायरों को काम थमाने का खेल चल रहा है। यह सब उस वीसी की नाक के नीचे हो रहा है, जो खुद कहते हैं कि लापरवाही और मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी।

अब सवाल यह है...

क्या केडीए में भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी या केवल बयानबाजी चलेगी?

फर्जी भुगतान और बिना टेंडर के हुए कार्यों की जांच कौन करेगा?

मेंटीनेंस के नाम पर हर महीने उड़ाई जा रही रकम का हिसाब कौन देगा?

आवेदक से घूस मांगने पर केडीए लिपिक निलंबित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। केडीए में घूसखोरी के मामले सामने आने के बाद कार्रवाई शुरू हो गई है। केडीए उपाध्यक्ष ने रजिस्ट्री की फाइल छह माह तक दबाए रखने वाले बाबू अतुल सोनकर को निलंबित कर दिया।

कलेक्ट्रट पहुंची केडीए ओएसडी के घूस मांगने की शिकायत के बाद प्राधिकरण एक्टिव हो गया है। केडीए

» कलेक्ट्रेट पहुंची शिकयत पर डीएम सख्त,

केडीए वीसी बोले- ओएसडी की होगी जांच

जितेंद्र प्रताप सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए केडीए वीसी को पत्र लिखा था।केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्याल ने बताया कि अतुल सोनकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया है। इस मामले की जांच मुख्य नगर नियोजक मनोज कुमार को सौंपी है। 27 जून को नीरज गुप्ता ने जिलाधिकारी को 30 हजार रुपये के बैंक के साथ प्रार्थनापत्र दिया था। उसने केडीए जोन 3 के अंतर्गत भवन संख्या 3/49 एलआईजी डी/एस भूतल योजना बर्रा-6 योजना के निबंधन के लिए 30 हजार रुपये घूस मांगने का आरोप लगाया था। इसमें पीड़ित ने बताया कि एक कालोनी की रजिस्ट्री कराने के नाम पर चष्ट्र विशेष कार्याधिकारी जोन-3 (ह्रस्ष्ठ) द्वारा 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी। कहा था कि अब इस घूस से उसकी रजिस्ट्री करा दी जाए। डीएम के निर्देश पर केडीए ङ्कष्ट के विशेष कार्याधिकारी अजय कुमार सिंह से रिपोर्ट तलब की।

हत्या का किया था प्रयास अब केस से नाम कटवाने की फिराक में आरोपी

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। थाना साढ़ क्षेत्र के कुड़नी गांव में 20 जून की शाम ज़मीन विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़िता कनकलता द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार, संतोष कुमार शुक्ला, उनके पुत्र गौरव व अंकित, अनूप मिश्रा और सुशील शुक्ला ने एकराय होकर उनके दरवाजे के सहन की ज़मीन को जबरन खोदना शुरू कर दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़िता के पति चन्द्रप्रकाश पर गाली-गलौज के साथ जानलेवा हमला कर दिया। संतोष शुक्ला ने अपने बेटे के हाथ से फावड़ा लेकर चन्द्रप्रकाश के सिर पर जोरदार प्रहार किया जिससे वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े।

- सर पर फावड़े से हमला कर मरा समझकर फरार हुए थे आरोपी
- प्रशासन ने एक को भेजा जेल बाकी अब भी पुलिस की गिरफ्त से दूर
- पुरानी रंजिश के चलते हत्या की कर रखी है साजिश मौत के साए में पीड़ित की जिंदगी

फावड़े से किया गया जानलेवा हमला

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। परिजन घायल को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीतरगांव ले गए जहां डॉक्टर ने घायल की स्थिति को गंभीर बताकर उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

जेल भेजा गया एक आरोपी, बाकी फरार
वायरल हो गया घटना से जुड़ा वीडियो

मुकदमे में पांच लोगों को नामजद किया गया है जिनमें से सुशील शुक्ला को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हालांकि उसके परिवार का कहना है कि घटना के समय वह खेत में जानवर चरा रहे थे और मौके पर मौजूद नहीं थे। वायरल वीडियो में साफ़ देखा जा सकता है कि संतोष शुक्ला के पुत्र मौके पर फावड़ा लिए खड़े हैं, जिससे उन्होंने वार किया।

वीडियो में घटना की पुष्टि होती है, जबकि मुख्य आरोपी संतोष शुक्ला और उनके दोनों पुत्र गौरव व अंकित अब भी फरार हैं। पीड़ित पक्ष को आशंका है कि नामजद आरोपी फरार रहते हुए मुकदमे से नाम हटवाने की कोशिश कर रहे हैं।

परिजन इस बात से चिंतित हैं कि अगर किसी आरोपी का नाम हट गया तो वे दोबारा गांव लौटकर किसी गंभीर आपराधिक वारदात को अंजाम दे सकते हैं।

बंगाली के पास फांस निकलवाने गया मजदूर, खो बैठा अंगूठा

- कथित डॉक्टर बंगाली के काटे जख्म अब ताउम्र चुभेंगे
- समझौते की आड़ में दबा दिया दर्द

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। एक अशिक्षित खेतिहर मजदूर की ज़िन्दगी उस दिन बदल गई, जब वो मामूली सी फांस निकलवाने बिल्हौर आया... लेकिन लौटते वक्त उसका अंगूठा ही साथ नहीं था।

ग्राम चम्पतपुर खण्ड संजती बादशाहपुर थाना अरौल निवासी प्रभु दयाल पुत्र मोतीलाल 27 जून 2025 को जब बिल्हौर नगर पालिका चौराहा के पास स्थित गया प्रसाद नगर में कथित डॉक्टर तारापद विश्वास उर्फ डॉ बंगाली के पास इलाज कराने पहुँचा तो उसे क्या मालूम था कि यह मुलाकात उसकी ज़िंदगी को लहूलुहान कर देगी।

कौन दे रहा है संरक्षण?

फर्जी डॉक्टरों को कौन पनाह दे रहा है? विभाग कब जागेगा? या जब तक हर गांव से कोई अंग खोकर आएगा, तब तक चुप्पी बनी रहेगी?

पीड़ित ने आरोप लगाया कि उसके बाएं अंगूठे में लकड़ी की फांस चुभ गई थी। जिसे दिखाने वह डॉक्टर बंगाली के पास गया था। डॉक्टर ने कहा 10 मिनट में निकाल दूंगा। अंगूठा पक जाएगा।

पहले तो प्रभु दयाल ने मना किया लेकिन डराया गया कि अंगूठा गल जाएगा और फिर इंजेक्शन लगाकर उसे बेहोश कर दिया गया। आरोप है कि होश आने पर अंगूठा नहीं था। था तो बस हड्डी से उखड़ा मांस और डॉक्टर बंगाली का 8,500 रुपए का बिल। जब पीड़ित ने कहा कि वह तो सिर्फ फांस निकलवाने आया था और इतने पैसे नहीं हैं। डॉक्टर बंगाली आग-बबूला हो गया। और अपशब्दों की बौछार हुई। आरोप है गाली-गलौज और धमकी देकर उसे भगा दिया गया। मामला थाने पहुंचा तो सुलह कराने वाले चर्चित लोग सक्रिय हुए।

तहसील में चंद लोगों के पास डॉक्टर बंगाली ने हाजिरी दी और देर शाम को मामले में समझौता हो गया।मामले में सीएमओ ने जाँच के आदेश दिए हैं।

सम्पादकीय

छोटे विवादों में जान लेने का फितूर

कहना मुश्किल है कि हमारे समाज में ऐसा क्या बदला है कि जिन छोटे-छोटे विवादों को हम आसानी से सुलझा सकते हैं, उनको लेकर जान लेने तक की नौबत आ जाती है। मान्यता रही है कि पढ़ा-लिखा समाज सभ्य-संवेदनशील होकर प्रगतिशील समाज की आधारशिला रखता है। लेकिन यहां तो हम तरक्की के दावों और साक्षरता में अप्रत्याशित वृद्धि के बावजूद आदमयुगीन व्यवहार करने पर उतारू हैं। कार पार्किंग विवाद हो या सड़क पर आगे जाने की होड़ में वाहनों का जरा आपस में छू जाना, अकसर बड़े विवाद व हिंसक संघर्ष का कारण बन जाता है। पिछले दिनों दिल्ली में एक ई-रिक्शा चालक के कार से लग जाने के बाद कार चालक ने रिक्शा वाले को गोली मार दी। अब सवाल यह भी है कि क्यों इस विवाद को आपसी बातचीत से नहीं टाला जा सका? आखिर क्यों कार चालक को हथियार लेकर चलने की जरूरत पड़ी? आखिर लोगों का खून क्यों उबाल ले रहा है? क्या ये हमारे तामसिक व प्रदूषित खान-पान की देन है? क्या हमारे विचार दूषित हुए हैं? क्या हमारे उन संस्कारों का लोप हो चुका है जो हमें सहजता,सहयोग, सरलता, सहनशीलता, सौम्यता और सहभागिता सिखाते थे? अक्सर हम बुजुर्गों के साथ युवाओं द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए देखते हैं। उनकी उम्र व सफेद बालों का भी कोई लिहाज करता नजर नहीं आता है। सवाल उठता है कि क्या हमारी पारिवारिक संरचना व शिक्षण संस्थाओं द्वारा जीवन मूल्य बांटने की कवायद निष्प्रभावी हो गई है? अकसर हम देखते हैं कि सार्वजनिक जीवन में ऐसे मुद्दों को लेकर बड़े विवाद होते हैं, जिन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता है। हमारे व्यवहार की ये कृत्रिमता विचलित करने वाली है। कभी कहा जाता था कि गहरी नदी खामोशी से बहती है। लेकिन इसके उलट पढ़े-लिखे लोग अनपढ़ों से बदतर व्यवहार करते नजर आते हैं। वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि विद्या हमें विनय देती है। क्या हमारा जीवन इतना जटिल हो गया है कि हमें क्षण में आक्रोश से भर देता है?हाल के वर्षों में राह चलते मामूली विवादों पर हत्या कर देने की विचलित करने वाली वारदातें अकसर खबरों में सुर्खियां बनती रहती हैं। जो एक सभ्य व्यक्ति में भय व असुरक्षा भर देती हैं। हर व्यक्ति के दिमाग में अपनी व बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त हो जाती है। कहीं छोटी-छोटी बात पर रौब दिखाने पर हत्याएं हो जाती हैं तो कहीं वाहनों को खड़े करने के विवाद में खूनी संघर्ष हो रहे हैं। कहीं न कहीं सड़कों पर होने वाली हिंसा के मूल में बेलगाम होता गुस्सा भी है। यह गुस्सा कब कानून की झीनी दीवार लांघ दे, कहना मुश्किल है। कालांतर यही टकराव गंभीर अपराध के रूप में ही सामने आता है। यहां तक कि यह टकराव कई बार दो संप्रदायों के बीच खूनी संघर्ष तक में तब्दील हो जाता है। ऐसे कई समाचार देश के विभिन्न भागों से हमारे सामने आते रहे हैं। हमारे समाज विज्ञानियों और मनोवैज्ञानिकों को हमारे व्यवहार में घर कर रही इस आक्रामकता के कारणों की गंभीर पड़ताल करनी होगी। भविष्य में यह प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये घातक साबित हो सकती है। कहीं न कहीं ये मानवीय मूल्यों व संवेदनशीलता का पराभव भी है जो हम किसी को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। सूचना माध्यमों ने आम लोगों की संवेदनाओं को आहत करने का जो मुनाफे का जमकर कारोबार किया क्या वो हमें अब संवेदनहीन बना रहा है? देश के राजनीतिक विमर्श में आक्रामकता व संवेदनाओं से खिलवाड़ का जो निर्मम खेल दशकों से खेला जाता रहा है क्या नई पीढ़ी ने उसका अनुकरण शुरू कर दिया?

बड़े धार्मिक आयोजनों का वैज्ञानिक प्रबंधन जरूरी

प्रमोद भार्गव

प्रयागराज कुंभ मेले में और इसी साल जून माह में बेंगलुरु में आईपीएल मैच में मची भगदड़ की स्मृतियां विलोपित भी नहीं हो पाई थीं कि पुरी में चल रहे भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में भगदड़ मचने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। मंदिर में प्रवेश का रास्ता केवल एक था, बाहर जाने का मार्ग बंद कर दिया था, क्योंकि वहां से वीआईपी लोग दर्शन के लिए जा रहे थे। आम भक्तों के लिए बाहर आने का दूसरा कोई मार्ग नहीं था। इसी समय मंदिर में दो ट्रक लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री से भरे इसी संकीर्ण मार्ग से भीतर भेज दिए गए। ट्रकों के कारण भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और हादसा घट गया।

साफ है, प्रशासनिक प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते श्रद्धालु हादसे के शिकार हो गए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की चूक के लिए क्षमा मांगते हुए पुरी के कलेक्टर का अविलंब स्थानांतरण कर दिया। स्थानांतरण कोई सजा नहीं होती। वास्तव में कुंभ मेले में और आईपीएल क्रिकेट मैच में हुए हादसों से प्रशासन को सबक लेने की जरूरत थी, जिससे रथयात्रा में भगदड़ से बचा जाए।

भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है।धर्म स्थल इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। लिहाजा राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेश बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते हैं।

रथयात्रा की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की जाती है। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित किया जाता है। फलत: जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ गया कि सारे रास्ते पैदल भीड़ से जाम हो गए। इसी बीच लापरवाही यह रही कि बाहर जाने के रास्ते को नेता और नौकरशाहों के लिए आरक्षित कर दिया गया और दो ट्रक आम रास्ते से मंदिर की ओर भेज दिए। इस चूक ने घटना को अंजाम दे दिया। जो भी प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब व्यर्थ साबित हुए।दरअसल, रथयात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ के आवागमन के सुचारु प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की आवश्यकता थी, उसके प्रति पूर्व से ही सतर्कता बरतना आवश्यक था। दुर्भाग्यवश, इस दिशा में प्रबंधन ने अदूरदर्शिता दिखाई। मेलों के प्रबंधन के लिए हम प्राय: विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण पर निर्भर रहते हैं, जो भारतीय मेलों की विशिष्ट सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं होते और इस कारण प्रासंगिक भी नहीं रह जाते।

दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से यूरोपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे।प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। आम श्रद्धालुओं के बाहर जाने का रास्ता कथित वीआईपी लोगों के लिए सुरक्षित कर दिया जाता है।

गर्म होती दुनिया में खतरा बनता फंगस

पर्यावरण संतुलन

डॉ. मधुसूदन शर्मा

फंगस प्रजातियां पहले से ही दुनियाभर में गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रही हैं। एंटीफंगल एजेंट दवा और कृषि दोनों में आवश्यक रसायन हैं, लेकिन इन यौगिकों के अत्यधिक उपयोग से फफूंद में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसका मतलब है कि मनुष्यों के लिए जीवन रक्षक उपचार काम करना बंद कर सकते हैं।ग्लोबल वार्मिंग से दुनिया में नए रोगजनक उभर रहे हैं और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रहे हैं। वैज्ञानिकों ने एस्परजिलस नामक फंगस के बढ़ते प्रसार के बारे में चिंता जताई है। इस फंगस के फैलने में जलवायु परिवर्तन और गर्म तापमान की मदद भी शामिल है।

इस प्रकार की फफूंद लोगों, पौधों और जानवरों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती है और कुछ मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकती है।

एक नए अध्ययन में ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने दुनिया में फंगस के विस्तार का मॉडल बनाकर दिखाया है कि फंगस की तीन प्रजातियां, एस्परजिलस फ्यूमिगेटस, एस्परजिलस फ्लेवस और एस्परजिलस नाइजर अगले 70-80 वर्षों में उत्तर की ओर फैलेंगी। शोधकर्ताओं ने फंगस के मौजूदा आवासों और वार्मिंग की भविष्यवाणी करने वाले जलवायु मॉडल का अध्ययन करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है।ब्रिटेन के मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक नॉर्मन वैन रिजन का कहना है कि आर्द्रता और चरम मौसम की घटनाओं जैसे पर्यावरणीय कारकों में परिवर्तन, आवासों को बदल देंगे और फंगस के अनुकूलन और प्रसार को बढ़ावा देंगे। वायरस और दूसरे रोगजनक परजीवियों की तुलना में फंगस पर अपेक्षाकृत कम शोध किया गया है, लेकिन ताजा अध्ययन दिखाते हैं कि भविष्य में फंगस रोगजनकों का दुनिया के अधिकांश क्षेत्रों पर प्रभाव पड़ने की संभावना है।गंभीर जलवायु परिवर्तन के परिदृश्य के तहत, यूरोप में एस्परजिलस फ्यूमिगेटस का प्रसार 15 वर्षों में 77.5 प्रतिशत बढ़ सकता है, जिससे 90 लाख और लोगों को संक्रमण का खतरा हो सकता है। एस्परजिलस फ्लेवस जो गर्म क्षेत्रों को तरजीह देता है, यूरोप में 16 प्रतिशत तक प्रसारित हो सकता है, जिससे अतिरिक्त 10 लाख लोग जोखिम में पड़ सकते हैं। शोधकर्ता नए क्षेत्रों में फैलने वाले संक्रमण से चिंतित हैं।महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनने में सक्षम यह फंगस भी दुनिया के गर्म होने के साथ-साथ नए क्षेत्रों में फैल रही है, और अन्य प्रजातियों के भी इसका अनुसरण करने की संभावना है।इन फंगस प्रजातियों का एक दूसरा पहलू भी है। इस बीच, संक्रामक रोग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि खेती में नए फफूंदनाशक रसायनों के व्यापक उपयोग से मनुष्यों और जानवरों में फंगल संक्रमण के उपचारों के खिलाफ प्रतिरोध बढ़ सकता है।एक नए अध्ययन में कृषि में उपयोग किए जाने वाले फफूंदनाशक को मनुष्यों और जानवरों दोनों में फफूंद रोधी दवाओं के खिलाफ प्रतिरोध में वृद्धि से जोड़ा गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ, डॉ. जॉर्ज थॉम्पसन और डॉ.एंजेल देसाई ने चेतावनी दी है कि हानिकारक फफूंद को मारने के लिए विकसित किए गए नए कृषि कीटनाशक लोगों और जानवरों में खतरनाक फंगल संक्रमण का इलाज करना कठिन बना सकते हैं।फंगस प्रजातियां पहले से ही दुनियाभर में गंभीर स्वास्थ्य और आर्थिक समस्याओं का कारण बन रही हैं। एंटीफंगल एजेंट दवा और कृषि दोनों में आवश्यक रसायन हैं, लेकिन इन यौगिकों के अत्यधिक उपयोग से फफूंद में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसका मतलब है कि मनुष्यों के लिए जीवन रक्षक उपचार काम करना बंद कर सकते हैं। फफूंद और बैक्टीरिया जैसे रोगजनकों से लड़ने के लिए रासायनिक एजेंटों के विकास ।

आईएएस रेणु राज: डॉक्टर से अफसर बनने तक का सफर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। एक ओर जहां लड़कियों को अक्सर सीमाओं में बांधने की कोशिश होती है, वहीं कुछ बेटियाँ इन बंधनों को तोड़कर इतिहास रच देती हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक नाम हैं डॉ. रेणु राज, जिन्होंने एक सुरक्षित और सम्मानित पेशा छोड़कर उस राह को चुना, जो कठिन भी थी और अनिश्चित भी – और वहां देश की दूसरी सबसे बड़ी रैंक लेकर लौटीं।

रेणु राज एक योग्य एमबीबीएस डॉक्टर थीं। अच्छी नौकरी, प्रतिष्ठा और सुरक्षित भविष्य — सबकुछ उनके पास था, लेकिन उनके मन में समाज के लिए कुछ बड़ा करने की ललक थी। उन्होंने महसूस किया कि बतौर डॉक्टर वह सीमित दायरे में सेवा कर पा रही हैं, जबकि प्रशासनिक सेवा के ज़रिए

» एक बेटी की अनकही जीत PSC में पाई देश में दूसरी रैंक, समाज की चुप्पी ने दिया नई उड़ान का हौसला

वे व्यापक बदलाव ला सकती हैं।

यही सोच उन्हें UPSC की तैयारी की ओर ले गई। उन्होंने दिन-रात एक कर दिए। अस्पताल की ड्यूटी से लौटकर पढ़ाई, फिर सुबह की शुरुआत किताबों के साथ — इस कठिन तप के बाद 2014 में उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में देशभर में दूसरी रैंक हासिल की।

जब समाज चुप रहा...

लेकिन यह जीत जितनी बड़ी थी, उतनी ही खामोश भी। उनके इस ऐतिहासिक सफर पर न तो परिवार में कोई विशेष उत्सव हुआ, न ही समाज में विशेष चर्चा। एक बेटी की इतनी बड़ी उपलब्धि को कुछ लोगों ने मानो सामान्य बात समझकर टाल दिया।

रेणु राज ने खुद कहा, मुझे इस बात का अफसोस नहीं कि मैंने डॉक्टरी छोड़ी, लेकिन इस बात का जरूर है कि मेरी मेहनत को उस तरह की मान्यता नहीं मिली, जैसी शायद एक बेटे को मिलती।उनकी यह टिप्पणी आज भी समाज में मौजूद लैंगिक भेदभाव की गहरी तस्वीर पेश करती है — जब बेटियाँ कुछ असाधारण कर गुजरती हैं, तब भी समाज अक्सर चुप रहता है।

रेणु के लिए चुप्पी बनी प्रेरणा

लेकिन रेणु ने इस चुप्पी को अपनी ताकत बना लिया। आज वे एक ईमानदार, जुझारू और संवेदनशील IAS अधिकारी के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रभावशाली काम किया है और कई जिलों में जनता का दिल जीत लिया है।

उनकी कहानी सिर्फ एक लड़की की सफलता नहीं, बल्कि उन सभी बेटियों की आवाज़ है, जो सपनों को उड़ान देने के लिए सामाजिक परंपराओं से टकराने का साहस रखती हैं।

लड़कियों के लिए संदेश साफ है...

रेणु राज की कहानी एक साफ संदेश देती है — अगर बेटियों को सही मौका, समर्थन और पहचान मिले, तो वे सिर्फ परिवार नहीं, पूरा देश बदल सकती हैं।

यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी तेज

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ ।राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की उलटी गिनती शुरू हो गई है। नए नगर निकायों के गठन और पूर्ववर्ती निकायों की सीमा विस्तार से जिन ग्राम पंचायतों की स्थिति प्रभावित हुई है, वहां अब वार्डों के पुनर्गठन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच रही है। शासन स्तर से मिली जानकारी के अनुसार 1 जुलाई से 3 जुलाई के बीच प्रस्तावित वार्डों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

इन प्रस्तावों पर आम जनता 4 जुलाई से 8 जुलाई तक आपत्तियां दर्ज करा सकेगी, जबकि प्राप्त

» वार्डों का प्रकाशन 1 जुलाई से प्रस्तावित परिसीमन पर आपत्तियां 4 से 8 जुलाई के बीच ली जाएंगी

आपत्तियों का निस्तारण 9 जुलाई से 11 जुलाई के बीच किया जाएगा। इसके बाद 12 जुलाई से 14 जुलाई के बीच अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा।उच्चपदस्थ सूत्रों के अनुसार, परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होते ही राज्य निर्वाचन आयोग मतदाता सूची अपडेट किए जाने का कार्यक्रम जारी करेगा। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और सुधार कराने के लिए चरणबद्ध कार्य योजना घोषित की जाएगी। आयोग इसको लेकर अपनी सभी तैयारियाँ पूरी कर चुका है।

यह प्रक्रिया उन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो हाल ही में निकायों में सम्मिलित किए गए हैं या जिनकी सीमाओं में परिवर्तन हुआ है। आगामी निकाय चुनावों में वार्डों के परिसीमन से राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की भी संभावना जताई जा रही है।

जन सहभागिता होगी अहम

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे प्रस्तावित वार्डों की सूची का अवलोकन अवश्य करें और किसी भी विसंगति पर निर्धारित अवधि में आपत्ति दर्ज कराएं। पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया लोक सूचना के माध्यम से सार्वजनिक रूप से संचालित की जा रही है।

मतदाता जागरूकता के लिए आयोग द्वारा विशेष अभियान भी जल्द शुरू किए जाने की संभावना है।

नगर निगम की कार्ययोजना ने दिखाया असर

कानपुर में इस बार जलभराव से मिली कई इलाकों को राहत

» ठोस योजना, तेज़ क्रियान्वयन और सतत निगरानी बनी सफलता की कुंजी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मानसून की पहली बारिश में जहां देश के कई शहर जलभराव की समस्या से जूझते नजर आए, वहीं कानपुर में इस बार हालात बिल्कुल अलग रहे। शहर में जलनिकासी व्यवस्था की बेहतरी ने न सिर्फ प्रशासन की तत्परता को उजागर किया, बल्कि नागरिकों का भरोसा भी जीता। इस परिवर्तन के पीछे है नगर निगम कानपुर की प्रभावशाली कार्ययोजना और नगर आयुक्त श्री सुधीर कुमार का सक्रिय नेतृत्व।

इस बार मानसून से पहले ही नगर निगम ने पूरी रणनीति के साथ मोर्चा संभाल लिया था। शहर के 400 से अधिक बड़े व छोटे नालों और नालियों को चिन्हित कर करीब 853 किलोमीटर लंबी सफाई मुहिम चलाई गई। सीसामऊ नाले जैसे अति जटिल और वर्षों से अतिक्रमण से ग्रस्त नाले को न सिर्फ अतिक्रमण मुक्त किया गया, बल्कि उसकी गहराई से सफाई भी कराई गई। यह कार्य महज एक प्रतीकात्मक प्रयास नहीं था, बल्कि इसकी ज़मीनी असर दिखाई दी — इस बार लाल-इमली, चुन्नीगंज, VIP रोड, श्यामनगर, कल्याणपुर जैसे जलभराव वाले क्षेत्र भी बारिश के बाद सूखे नजर आए।

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने स्वयं मैदान में उतरकर निरीक्षण किया और हर क्षेत्र की निगरानी की।

पिछले चार दिनों की लगातार बारिश में भी वे लगातार सड़कों पर सक्रिय रहे। उनके नेतृत्व में शहर को छह जोनों में बांटकर त्वरित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (Quick Emergency Response Teams) गठित की गईं, जो बारिश के दौरान तत्काल सफाई कार्यों में जुट जाती हैं।

नगर निगम की इस पहल को शहरवासियों की ओर से जबरदस्त सराहना मिली है। नागरिकों ने माना कि प्रशासन की तत्परता और संगठित प्रयासों से वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या को गंभीरता से लिया गया और उसका प्रभावी समाधान निकाला गया।

सुधीर कुमार के प्रयास रंग ला रहे

यह प्रयास न सिर्फ एक प्रशासनिक सफलता है, बल्कि सुशासन, उत्तरदायित्व और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का आदर्श उदाहरण भी बनकर सामने आया है। कानपुर नगर निगम की यह पहल देश के अन्य शहरी निकायों के लिए एक प्रेरणा साबित हो सकती है – कि इच्छाशक्ति और योजना के साथ किसी भी जमीनी समस्या का समाधान संभव है।

ब्रह्मनगर चौराहा चूहों ने किया खोखला,धंस गया डॉट धंसा

» सड़क के साथ एक चौथाई में हुआ गड्ढा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मामले में मुख्य अभियंता ने बताया कि डॉट नाले सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। ईंटों, सुर्खी चूने से बने नाले मियाद पूरी कर चुके हैं। ब्रह्मनगर चौराहे पर डॉट नालों का जंक्शन है। संभव है कि चूहों की वजह से मिट्टी पोली होने या वहां बने चैंबर से डॉट नाले तक बिल बनने अथवा मिट्टी हटने की वजह से सड़क धंसी हो।

कानपुर में ब्रह्मनगर चौराहे को चूहों ने खोखला कर दिया है। इससे डॉट नाला धंसने के साथ ही सड़क और चौराहे की चौहद्दी के अंदर गहरा गड्ढा हो गया। नगर निगम ने बैरिकेडिंग कराने के बाद मरम्मत के लिए खोदाई कराई तो कई बड़े चूहे निकलकर भागे। कुछ बिल भी नजर आए। इसी के पास नेहरूनगर स्थित नगर निगम के जोनल कार्यालय के सामने और उससे चंद कदम दूर स्थित अंध विद्यालय के सामने भी सड़क धंस गई। वहां भी इसकी वजह डॉट नाला धंसना माना जा रहा है।

ब्रह्मनगर चौराहे में लंबोदर गणेश महोत्सव स्थल के पास 29 जून को देर रात सड़क धंसना शुरू हुई। सोमवार सुबह तक वहां करीब 30 मीटर के दायरे में सड़क धंस गई। इसके साथ ही विकसित चौराहे का भी करीब एक चौथाई हिस्सा धंस गया। उसमें लगा एक पोल तिरछा हो गया।

आसपास की जमीन भी खोखली नजर आने लगी है। इससे धंसने की आशंका जताई गई।

वहां एचटी, एलटी लाइनों के साथ ही ट्रांसफार्मर भी लगा है सुबह पार्षद पवन गुप्ता सहित आसपास के लोगों के साथ ही राहगीर एकत्रित हो गए। इसी बीच पता चला कि वहां से करीब 400 मीटर दूर नगर निगम जोन-4 के जोनल कार्यालय के सामने और उसी के पास स्थित अंध विद्यालय के सामने भी सड़क धंस गई है। वहां भी डॉट नाले की वजह से सड़क धंसने की आशंका जताई गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे नगर निगम अभियंत्रण विभाग ने बैरिकेडिंग कराई।

नगर निगम जोन - 4 के अधिशासी अभियंता नानक चंद्र ने बताया कि ब्रह्मनगर चौराहे पर चारों तरफ के डॉट नाले जुड़े हैं। नालों के जंक्शन के ऊपर चौराहे का सुंदरीकरण कराने के साथ ही पौधे भी लगवाए गए थे। वहां कच्ची जमीन से चूहे लगातार बिल बनाते रहे। इससे जमीन खोखली होती गई। आशंका है कि अंग्रेजों के जमाने के जर्जर डॉट नाले तक बिल होंगे और उनसे नाले में मिट्टी जाती रही होगी।

बारिश के दौरान उसमें पानी जाने से आसपास की जमीन धंसी होगी। इसी वजह से चौराहे और सड़क भी धंसी।

कुदौली गांव में चोरी: नगदी और जेवरात लेकर चोर फरार, पुलिस जांच में जुटी

» रात में सोते समय घर में घुसे चोर, अलमारी और बक्सा किया खाली

» महिला की चीख पर मचा हड़कंप, पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंची मौके पर

» डॉग स्क्वायड ने खेत और बाग तक पहुंचाया सुराग, जांच जारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के कुदौली गांव में बीती रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है।

गांव निवासी रंजीत सिंह किसी कार्यक्रम में पड़ोस के मजरा किशनपुर गए थे और रात करीब 12 बजे लौटे थे। सब कुछ सामान्य था, लेकिन जब सुबह करीब 5 बजे उनकी पत्नी नीलम उठी तो घर का नज़ारा देख होश उड़ गए। दरवाजों के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था। जेवरात और नगदी गायब थे। महिला की चीख सुनकर पड़ोसी इकट्ठा हुए और तुरंत डायल 112 व थाना पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे एसआई नेम सिंह ने घटनास्थल की जांच की और फॉरेंसिक टीम तथा डॉग स्क्वायड को बुलाया। डॉग ने बिखरे सामान से सुराग लेते हुए उस कमरे तक पहुंचाया जहां से बक्सा चोरी हुआ था।

फिर वह आंगन और गैलरी होते हुए घर के बाहर निकला और करीब 200 मीटर दूर संदना गांव की ओर एक बाग में जाकर रुक गया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए हैं। पुलिस का कहना है कि जांच गहराई से चल रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

रंगाई-पुताई कागजों में पूरी, स्कूलों में सिर्फ गंदगी और धोखा

» शासन के आदेश हवा में उड़ाए गए मौजूदा हालात शर्मनाक

अफसरों की खामोशी से शिक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद मंगलवार को जैसे ही परिषदीय स्कूलों के ताले खुले, बच्चों का स्वागत साफ-सफाई या बेहतर व्यवस्था से नहीं, बल्कि गंदगी, उखड़ी दीवारों और टूटी नालियों ने किया। बेसिक शिक्षा परिषद के निदेशक द्वारा पहले ही आदेश दिए गए थे कि स्कूल खुलने से पहले रंगाई-पुताई, मरम्मत, बिजली-पानी और सफाई का काम पूरा कर लिया जाए। लेकिन ज़मीनी हालात कुछ और ही बयान कर रहे हैं।

अधिकांश स्कूलों में गंदगी का अंबार लगा है, नालियां खुदी पड़ी हैं और दीवारें कालिख से भरी हैं। स्कूल के प्रांगण में बच्चे फिसलने और चोटिल होने के खतरे के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं। प्रधानाचार्यों ने दिखावे के लिए बाउंड्री वॉल पर रंग-रोगन करवा दिया, लेकिन कक्षाओं की हालत जस की तस बनी हुई है।

निरीक्षण सिर्फ कागजों में, ज़मीनी हकीकत से मुंह मोड़ते अफसर

मलासा ब्लॉक के कई स्कूलों में आज तक न रंगाई-पुताई हुई है, न ही मरम्मत के कार्य पूरे किए गए हैं। शहीद मूरत सिंह सिविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय इसका बड़ा उदाहरण है।

यहां सिर्फ बाहर की दीवार को रंगवाया गया है जबकि स्कूल के अंदर की हालत दयनीय है। विज्ञान प्रयोगशाला में मिड डे मील बनाया जा रहा है और वर्षों से टूटी खिड़कियों की मरम्मत कागजों में दिखाकर भुगतान कर दिया गया। अफसरों द्वारा निरीक्षण करना सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गया है ज्यादातर रिपोर्ट्स फोन कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से तैयार की जा रही हैं। जब जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा से इस स्थिति पर प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया गया,ऐसे में सवाल उठता है कि जब सरकार से समय पर बजट जारी हो रहा है, तो फिर काम क्यों नहीं हो रहे?

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

रक्षक बन बैठे भक्षक: कानपुर देहात में पुलिस पर लगा दुष्कर्म का कलंक

» खाकी पर मानवता को शर्मसार करने वाले दाग

गर्भवती महिला आरक्षी ने साथी सिपाही पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

नाबालिग से दुष्कर्म, ट्रेनी सिपाही गिरफ्तार

छात्रा को झांसा देकर किया दुष्कर्म, आरोपी सिपाही फरार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस विभाग इन दिनों गहरे संकट में घिर गया है। जिन हाथों में कानून की रक्षा की जिम्मेदारी होनी चाहिए, वही हाथ अब अपराध की कहानी लिखने लगे हैं। खाकी की वर्दी में छिपे दरिंदों ने न केवल विभाग की गरिमा को तार-तार किया है बल्कि समाज की आत्मा को भी झकझोर दिया है। तीन अलग-अलग घटनाओं में पुलिसकर्मियों पर लगे दुष्कर्म के आरोपों ने भरोसे की दीवार को गिरा दिया है। इनमें से दो पीड़िताएं गर्भवती हैं, और तीनों घटनाओं में आरोपी वर्दीधारी हैं। पुलिस अधीक्षक अरविंद्र मिश्रा ने तीनों मामलों में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि दो फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

घटना संख्या 1 :-महिला आरक्षी बनी साथी पुलिस कर्मी का शिकार

अकबरपुर थाने में तैनात एक महिला आरक्षी ने अपने ही सहकर्मी विकास यादव पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता मूल रूप से भदोही की रहने वाली है और इस वक्त वह सात माह की गर्भवती है। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और बार-बार शारीरिक शोषण करता रहा। मामला सामने आने के बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और बयान भी दर्ज हो चुका है। आरोपी विकास यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, लेकिन वह अभी फरार है। पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

घटना संख्या 2:- नाबालिग के जीवन पर लगा दाग, ट्रेनी सिपाही गिरफ्तार

डेरापुर थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। पीड़िता गर्भवती पाई गई है और उसने ट्रेनी आरक्षी मनीष कुमार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया गया है। इस मामले में भी पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। मनीष कुमार को पुलिस अधीक्षक के आदेश पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। यह घटना बताती है कि पुलिस विभाग के भीतर अनुशासन और नैतिकता का कितना पतन हो चुका है।

घटना संख्या 3:- छात्रा को झूठे वादों में फंसाया, आरोपी अजय सिंह फरार

तीसरे मामले में अकबरपुर की एक 17 वर्षीय छात्रा ने सिपाही अजय सिंह पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि आरोपी ने उसका शारीरिक और मानसिक शोषण किया, और अब वह जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस अधीक्षक अरविंद्र मिश्रा ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद आरोपी को निलंबित कर दिया है। अजय सिंह फिलहाल फरार है, और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें सक्रिय हैं। इस घटना ने यह साफ कर दिया है कि कुछ वर्दीधारी कानून से ऊपर समझने लगे हैं, और उन्हें लगने लगा है कि वे कभी पकड़े नहीं जाएंगे।

अधूरा पड़ा आर आर सी सेंटर टूटीं दीवारें खोल रहीं भ्रष्टाचार की पोल

कमजोर निर्माण कार्य के कारण छः महीने में ही टूट गईं दीवारें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गांवों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए सरकार द्वारा लाखों रुपये खर्च कर बनाए जा रहे एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (आर आर सी) कागज़ों में तो बेहतर दिखाए जा रहे हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही है। मलासा विकासखंड की ग्राम पंचायत टोडरपुर में बना RRC भवन महज छह महीने में ही दरकने लगा है। कूड़ा संग्रहण वाली दीवारें टूट चुकी हैं और केंद्र की पूरी इमारत जर्जर होती जा रही है। यह न सिर्फ निर्माण की घटिया गुणवत्ता का प्रमाण है, बल्कि इसमें हुए भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा करता है।

इतना सब होने के बावजूद ग्राम पंचायत और पंचायत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं। संबंधित एडीओ पंचायत के पास ब्लॉक सचिव का भी चार्ज है, इसके बावजूद हालात सुधरने की जगह और बिगड़ते जा रहे हैं। डीएम द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में RRC संचालन के सख्त निर्देश दिए जा चुके हैं, फिर भी न तो केंद्रों का संचालन हो रहा है और न ही निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा है।

RRC केंद्रों के संचालन न होने से गांव में कचरा शिव मंदिर, दुर्गा मंदिर और सड़कों के किनारे डाला जा रहा है। नालियों में कचरा भरने से गंदगी फैली हुई है और स्वच्छता अभियान की पोल खुल रही है। लाखों की लागत से बने ये केंद्र फिलहाल सफेद हाथी बनकर रह गए हैं और जिम्मेदारों की उदासीनता साफ दिखाई दे रही है।

निरीक्षण के बाद सुधरी गौशाला, मिला हरा चारा और स्वच्छ जल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास कार्यों की समीक्षा के बाद जब एमएलसी अरुण पाठक ने जिले के सरवनखेड़ा ब्लॉक की जलालपुर नागिन ग्राम पंचायत की गौशाला का औचक निरीक्षण किया, तो वहां की दुर्दशा देखकर नाराज हो उठे। गौशाला में नाद खाली था, चारा मशीन बंद थी और साफ-सफाई का अभाव दिखा। इस पर उन्होंने जिम्मेदार सचिव को कड़ी फटकार लगाई।

फटकार का असर यह हुआ कि शनिवार को जहां गोशाला बदहाल हालत में थी, रविवार को वहां सुधार की तस्वीरें सामने आईं। स्वराज इंडिया की टीम जब दोबारा पहुंची तो न केवल हरा चारा उपलब्ध था बल्कि नाद भी साफ मिले। सचिव खुशबू श्रीवास्तव ने बताया कि पानी की

टंकी में लीकेज की वजह से उसे खाली कराया गया था और सफाई कार्य नियमित रूप से कराया जाता है।निरीक्षण के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया है। पशु चिकित्सकों की टीम ने पहुंचकर बीमार गोवंशों का उपचार भी किया। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि यदि ऐसे ही निगरानी बनी रही, तो जल्द ही सभी गौशालाओं में व्यवस्था पटरी पर आ जाएगी।

सरयू नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर बिंदु से पार

नदी में ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से स्थिति गंभीर हो गई है

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर तहसील में सरयू नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर को पार कर गया है।

नदी में ढाई लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से स्थिति गंभीर हो गई है। अभी नदी का पानी बांध से करीब किलोमीटर दूर तक प्रवाहित हो रहा है। सनावा टेपरा गांव में कटान की समस्या गंभीर हो गई है। कहारनपुरवा के निवासियों के मुताबिक कल रात से पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बाढ़ खंड विभाग कटान रोकने में विफल साबित हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कटान वाले क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में परक्यू पॉइंट नहीं लगाए जा रहे हैं। जबकि जहां कटान नहीं हो रही, वहां कटान रोकने का काम किया जा रहा है।

सनावा तेलवारी गांव के हीरालाल और अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दो दिनों से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। नदी किनारे रह रहे लोगों में दहशत का माहौल है।

बाढ़ खंड के अवर अभियंता प्रदीप वर्मा का कहना है कि कटान रोकने का प्रयास किया जा रहा है। लगातार कार्य किये जा रहे हैं। सिरौली गौसपुर की उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने बताया कि राजस्व विभाग स्थिति पर नजर रख रहा है।

देर रात रेलवे की मॉक ड्रिल से मचा हड़कंप

» जिला प्रशासन की तत्परता की हुई जांच

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। 1 जुलाई 2025। देर रात बाराबंकी जिले में उस समय हड़कंप मच गया, जब रेलवे विभाग की ओर से एक संभावित रेल हादसे की सूचना जिला प्रशासन को दी गई। दरअसल, यह एक पूर्व नियोजित मॉक ड्रिल थी, लेकिन प्रारंभिक तौर पर इसे वास्तविक दुर्घटना समझ लिया गया, जिससे पूरे प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई।

सफदरगंज रेलवे स्टेशन मास्टर की ओर से बरेली–बनारस रेलखंड पर एक ट्रेन के पटरी से उतरने की सूचना मिलते ही दोनों अपर पुलिस अधीक्षक, एडीएम और तीन थानों की पुलिस टीमें तुरंत घटनास्थल की ओर रवाना हो गईं। इस दौरान राहत और बचाव कार्यों की तैयारियां भी तेजी से शुरू कर दी गईं।करीब एक घंटे तक मौके पर भ्रम की स्थिति बनी रही कि कहीं बड़ा रेल हादसा तो नहीं हो गया है। बाद में रेलवे विभाग ने स्पष्ट किया कि यह एक मॉक ड्रिल थी, जिसका उद्देश्य आपदा की स्थिति में रेलवे विभाग और जिला प्रशासन की तत्परता की जांच करना था।ड्रिल के दौरान प्रशासनिक अमले ने तेजी और संवेदनशीलता के साथ स्थिति को संभाला, जो आपात स्थिति से निपटने की उसकी तैयारियों को दर्शाता है। ट्रेन की फर्जी दुर्घटना के बाद इसे सुरक्षित रूप से आगे के लिए रवाना कर दिया गया।

रेलवे विभाग की इस कवायद ने साबित कर दिया कि बाराबंकी जिला प्रशासन आपदा जैसी परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने में पूरी तरह सक्षम और सजग है।

कई महीनों से खराब पड़ा हैंडपंप, नहीं हो रही मरम्मत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निंदूरा बाराबंकी। विकासखंड निंदूरा क्षेत्र अंतर्गत कस्बा कुर्सी में हैंड पंप कई महीनों से खराब पड़ा है। ग्रामीणों मोहम्मद अनीक,पुतान,समसुद्दीन,राम कैलाश,समीर ने कई बार 1076 पर शिकायत दर्ज कराई है। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों ने बताया की शिकायत के बाद अधिकारी जांच भी करने आए लेकिन उसके बावजूद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। आस पड़ोस के घर वालों को दूर दराज से पानी लाकर पीना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही हैंडपंप सही नहीं हुआ तो उच्च अधिकारियों से भी शिकायत की जाएगी। वहीं संबंध में खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार ने बताया मामला जानकारी में नहीं है।

पीएम-सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट पानी-पानी

» रामनगरी में पहली बारिश में ही बह गया विकास का दावा

» नगर निगम की पोल भी खुली श्रद्धालु परेशान, अधिकारी खामोश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में सोमवार को हुई महज़ आधे घंटे की झमाझम बारिश ने विकास के तमाम दावों की परतें उधेड़ कर रख दीं। करोड़ों रुपये की लागत से बने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व स्तरीय ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में जनता को समर्पित किया था, वह पानी में डूब गया। स्टेशन परिसर से लेकर गलियों तक सिर्फ पानी ही पानी नजर आया।

श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के लिए बारिश राहत नहीं, आफत बनकर आई। अयोध्या धाम स्टेशन में जहां रेलवे परिसर जलभराव से लबालब हो गया, वहीं दूसरी ओर नगर की सड़कों, गलियों और मोहल्लों में भी नालों का गंदा पानी भर गया। नगर निगम ने हाल ही में दावा किया था कि सभी नालियों की सफाई पूरी हो चुकी है और इस बार अयोध्या में कहीं जलभराव नहीं होगा,

लेकिन हकीकत कुछ और ही निकली।

स्थानीय निवासी नाराज़, श्रद्धालु परेशान और प्रशासन पूरी तरह मौन बना हुआ है। रेलवे विभाग के किसी भी अधिकारी ने इस मामले पर बोलने से इनकार कर दिया है। यह स्थिति तब है जब रामलला के दर्शन के लिए देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं और अयोध्या धाम स्टेशन उनका पहला स्वागत स्थल है। बड़ा सवाल यह है कीक्या यह वही नव्य अयोध्या है, जिसका सपना देश को दिखाया गया था? या फिर यह महज़ चमचमाती ईंटों और अधूरी व्यवस्थाओं के ऊपर खड़ी एक खोखली इमारत है?

जलभराव पर हरकत में आया प्रशासन, महापौर ने किया निरीक्षण

अयोध्या। सोमवार की मूसलाधार बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में जलभराव की शिकायत सामने आई। स्थिति को गंभीरता से लेते हुए महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार के साथ जनौरा बाइपास, नाका खादी आश्रम, कौशलेश कुंज अयोध्याधाम और क्षीरसागर क्षेत्र का निरीक्षण किया। मौके पर पंप लगवाकर तत्काल जलनिकासी सुनिश्चित कराई गई।

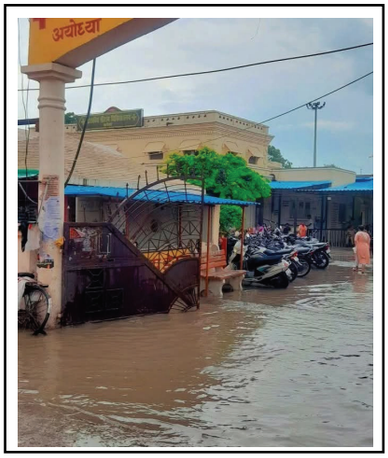

अयोध्या की कान्हा गौशाला बनती जा रही कब्रगाह !

» अयोध्या में बैसिंग गौशाला से निकली वीभत्स सच्चाई!

» नगर निगम पर गंभीर आरोप,

» यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष शरद शुक्ला का बड़ा खुलासा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या में कान्हा बैसिंग गौशाला का एक भयावह सच सामने आया है। यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष शरद शुक्ला ने रविवार को प्रेस वार्ता के दौरान गौशाला का एक वीभत्स वीडियो जारी कर नगर निगम और भाजपा सरकार पर करारा हमला बोला। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कई गाएं मृत पड़ी हैं, कई बीमार अवस्था में तड़प रही हैं जिन्हें न चारा दिया जा रहा है, न ही इलाज मिल रहा है।

सीसीटीवी फुटेज में दिखा गोवंश का बुरा हाल

शरद शुक्ला ने नगर निगम के अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मांग की है कि पूरे घटनाक्रम की एसआईटी जांच हो और गौशाला का रजिस्टर व तीन महीने का सीसीटीवी फुटेज जब्त किया जाए। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि वे संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगे। इतना ही नहीं, शरद शुक्ला ने 2 जुलाई को नगर निगम कार्यालय में मृत गायों की श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने का ऐलान किया है और अयोध्यावासियों से इसमें भाग लेने की अपील की है।

अब यहां सवाल यह भी उठता है कि क्या करोड़ों खर्च कर बनाई गई गौशालाएं सिर्फ दिखावे की प्रयोगशाला बन गई हैं? और क्या गायों के नाम पर बजट डकारने वाले अधिकारियों की अब भी नहीं होगी जवाबदेही?

मोदी करेंगे पांच देशों का दौरा

आठ दिन में पांच देशों का दौरा करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो जुलाई से पांच देशों का सम्पूर्ण दौरा करेंगे और आठ दिवसीय इस यात्रा में वो घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और नामीबिया भी जाएंगे। फिर इस यात्रा के दौरान वो ब्राज़ील में होने जा रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग भी लेंगे। पीएम मोदी अपने कार्यकाल में चौथी बार ब्राज़ील की यात्रा भी करने वाले हैं।

दो जुलाई से शुरू रही इस यात्रा में वह सबसे पहले घाना भी पहुंचेंगे। घाना में भारत के प्रधानमंत्री का 30 साल बाद भी दौरा हो रहा है। पीएम मोदी यहां घाना के राष्ट्रपति से मुलाकात कर दोनों देशों के राजनीतिक और आर्थिक संबंधों पर चर्चा भी करेंगे। अपनी यात्रा के आखिरी चरण में पीएम मोदी नामीबिया भी पहुचेंगे और फिर नामीबिया में पीएम मोदी की पहली यात्रा और नामीबिया के राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी की भारत से पहली द्विपक्षीय मुख्य रूप से वार्ता भी होगी। पीएम नरेंद्र मोदी की 8 दिनों की विदेश यात्रा बेहद अहम है क्योंकि भारत के इसके जरिए ग्लोबल साउथ तक अपनी पहुंच बनाने की नीति पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 जुलाई से 10 जुलाई तक पांच देशों की यात्रा करने वाले हैं। ये सभी देश कूटनीतिक लिहाज से बेहद अहम हैं। इनमें से तीन घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया ऐसे हैं, जहां पीएम पहली बार जाने वाले हैं। इसके अलावा वे ब्राजील और अर्जेंटीना भी जाएंगे, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ ही कई कूटनीतिक समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे।पीएम मोदी की ये विदेश यात्रा घाना जाने से शुरू होगी। इसके बाद वे निदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना और ब्राजील जाएंगे। ब्राजील में ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे और उसके बाद नामीबिया पहुंचेंगे। यहां उनकी पहली नामीबिया यात्रा होगी। इनके साथ भारत के आर्थिक और कूटनीतिक समझौते हो सकते हैं।

घाना से होगी यात्रा की शुरुआत : घाना में पीएम मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। तीन दशकों में पहली बार भारतीय प्रधानमंत्री घाना पहुंचेंगे। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा 2015 में भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरे पर आए थे। घाना पश्चिम अफ्रीका की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत घाना के निर्यात के लिए सबसे बड़ा साथी माना जाता है। घाना से भारत के आयात का 70 फीसदी से अधिक हिस्सा सोने का है। पीएम द्विपक्षीय साझेदारी की समीक्षा करने के साथ ही आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा और विकास सहयोग के माध्यम से इसे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रपति महामा के साथ बातचीत करेंगे।

अर्जेंटीना मे पीएम मोदी की पहली यात्रा

57 साल में पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तौर पर तौर पर अर्जेंटीना जाने वाले हैं। जहां उनकी मुलाकात जेवियर माइली से होगी। इस दौरान दोनों ही चल रहे सहयोग की समीक्षा करेंगे और रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, ऊर्जा आदि साझेदारी को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। दोनों नेताओं की मुलाकात नवंबर 2024 में रियो डी लैनेरो में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी।

ब्राजील में ब्रिक्स सम्मेलन

रियो डी जेनेरो में ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से मिलेंगे, जिसके बाद एक राजकीय यात्रा होगी। ब्रिक्स में पीएम वैश्विक शासन, शांति और सुरक्षा के सुधार, बहुपक्षवाद को मजबूत करने, एआई के जिम्मेदार उपयोग, जलवायु कार्रवाई, वैश्विक स्वास्थ्य आदि पर चर्चा करेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान उनकी कई द्विपक्षीय बैठकें होने की संभावना है।राजकीय यात्रा के लिए, प्रधानमंत्री ब्रासीलिया जाएंगे, जहां वे राष्ट्रपति लूला के साथ कई क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे।

प्रेम-प्रसंग का मामला

नंबर ब्लॉक किया तो युवती की काट दी गर्दन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नरसिंहपुर। जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जिसमें एक ट्रेनी नर्स पर एक युवक ने अस्पताल के भीतर चाकू से इतनी बार वार किया कि उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना में जो लोग बीच बचाव करने के लिए आए उनको भी युवक ने चाकू मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

जिला अस्पताल में ट्रेनिंग ले रही थी युवती : 18 वर्षीय युवती जिला अस्पताल में नर्सिंग के कोर्स की ट्रेनिंग ले रही थी। पिछले एक माह से यहां रोज ट्रेनिंग करने आ रही थी ट्रेनी नर्स 27 जून शुक्रवार को दोपहर लगभग 2:30 बजे जब जिला अस्पताल में थी, तभी काली शर्ट पहने हुए एक युवक अस्पताल में आया। उसके हाथ में चाकू था और उसने नर्स को पकड़ा और मारना शुरू कर दिया। उसके सरेआम उसका गला रेत दिया। बताया जा रहा है कि युवती ने युवक का नंबर ब्लॉक कर दिया था, जिससे युवक गुस्से में था।

पहले आओ, पहले पाओ

बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए खुशखबरी, दर्शन को हो जाएं तैयार

आज से अमरनाथ यात्रा का ऑफलाइन पंजीकरण शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जम्मू। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले भक्तों के लिए खुशखबरी। जम्मू प्रशासन ने आज से ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरस्वती धाम में टोकन सेंटर पर यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियां अब अंतिम दौर में है। यात्रा को लेकर भोले के भक्तों में उत्साह का माहौल है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन और सुरक्षा बलों ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। इस यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की जरूरत होती है, ऐसे में अगर आपने अब तक रजिस्ट्रेशन नहीं किया है तो बता दें कि आज, सोमवार से जम्मू में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू हो गई है।

अमरनाथ यात्रा की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु का कारवां निकल पड़ा है। इसी बीच, जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आज, 30 जून से ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। श्रद्धालु 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। जिन श्रद्धालुओं ने तकनीकी कारणों से ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कर पाए थे उनके लिए यह राहत की खबर है। इसके लिए शहर में कई पंजीकरण केंद्र बनाए गए हैं।

यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू : अमरनाथ यात्रा के लिए आज से पंजीकरण शुरू होने के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु जम्मू में प्रशासन द्वारा स्थापित विशेष केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। बम-बम भोले के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। बता दें ये केंद्र खासतौर पर उन लोगों के लिए खोले गए हैं जिन्होंने अभी तक ऑनलाइन मोड के माध्यम से यात्रा के लिए पंजीकरण नहीं कराया है।

यात्रा मार्ग अभेद किले में तब्दील : पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इस बार राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रा को पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। यात्रा मार्ग को अभेद किले में तब्दील कर दिया गया है। चप्पे पर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ समेत अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती यात्रा मार्ग में की गई है।

सुरक्षाबलों ने किया मॉकड्रिल

आगामी अमरनाथ यात्रा 2025 के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक एहतियाती प्रयास के तहत रविवार को भारतीय सेना, सीआरपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और जम्मू-कश्मीर राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) द्वारा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमागज़ पर समरोली, तोल्डी नाला में एक संयुक्त मॉक भूस्खलन अभ्यास आयोजित किया गया।

कब से शुरू होगी यात्रा : बता दें कि पवित्र अमरनाथ यात्रा 2025 की शुरुआत 3 जुलाई से होने जा रही है। तीथज़यात्रियों का पहले जत्था 2 जुलाई को जम्मू आधार शिविर से रवाना होगा। यात्रा आधिकारिक तौर पर 3 जुलाई को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से शुरू होगी।